



जन्म कुंडली को चरण दर चरण कैसे पढ़ें

ज्योतिष शास्त्र में जन्म कुंडली को बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारी जन्म कुंडली के माध्यम से हम अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में जान सकते हैं। जन्म कुंडली हमें अपने अच्छे और कठिन समय के बारे में अवगत करवाती है। इसके माध्यम से हमारे जीवन में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने में मदद कर मिलती है। एक अनुभवी ज्योतिषी या विशेषज्ञ **जन्म कुंडली** का गहन विश्लेषण कर सकता है लेकिन आप स्वयं भी अपनी कुंडली की जांच कर सकते हैं। आज हम कुंडली पढ़ने के कुछ सरल और आसान नियम आपके साथ साझा करेंगे, जिसके बाद आप स्वयं अपनी कुंडली की जांच कर सकते हैं। ध्यान रखें कि व्यक्तिगत और विस्तृत अध्ययन के लिए, किसी ज्योतिषी से परामर्श करना सबसे अच्छा है।



पहला और आवश्यक कदम

अपनी ऑनलाइन मुफ्त कुंडली बनाने के लिए kundli hindi.com पर जाएं और ज्योतिष सॉफ्टवेयर का उपयोग करें। आपको वहां दिए गए टैब में अपना जन्म विवरण जैसे अपनी जन्मतिथि, जन्म का समय और जन्म स्थान प्रदान करना होगा। जैसे ही आप अपनी जन्म तिथि डालेंगे उसके तुरंत बाद ही आपकी **जन्म कुंडली/Natal Chart** तैयार होकर आपके समक्ष प्रस्तुत हो जाएगी। अब, आप जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए इस जन्म कुंडली का उपयोग कर सकते हैं।

**जन्म कुंडली
को चरण दर
चरण कैसे पढ़ें**

For IOS For Android

www.kundli hindi.com



जन्म कुंडली – एक संश्लिप्त अवलोकन

जन्म कुंडली में बारह घर/भाव होते हैं, जिनमें से प्रत्येक घर जीवन के एक अलग पहलू को दर्शाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुल 12 राशियां और नौ ग्रह होते हैं। विभिन्न घरों और राशियों में ग्रहों की स्थिति के आधार पर, हम यह समझ सकते हैं कि जन्म कुंडली जीवन के एक विशिष्ट पहलू के बारे में क्या कहती है। कुंडली के 12 भाव विभिन्न बातों को दर्शाते हैं:

- प्रथम भाव- आपका व्यक्तित्व
- दूसरा भाव- आपका धन, वाणी, भोजन और परिवार
- तीसरा घर- आपके भाई-बहन, यात्रा, कौशल और प्रतिभा
- चतुर्थ भाव- आपका घर, वाहन और जीवन में सख
- पंचम भाव- आपकी बुद्धि, रचनात्मकता, संतान और मनोरंजन
- छठा घर – आपके ऋण, प्रतिस्पर्धी, रोग, मातृ पक्ष
- सातवां घर- आपका जीवनसाथी, विवाह, साझेदारी और बाहरी दुनिया
- आठवां घर – आपके दुख, अचानक घटनाएं, विरासत, अनर्जित धन
- नवम भाव- आपका भाग्य, धर्म, लंबी यात्राएं, पिता, शिक्षक, गुरु
- दसवां घर – आपका करियर, प्रतिष्ठा, स्थिति, शक्ति
- एकादश भाव- आपका सामाजिक दायरा, इच्छाएं, लाभ
- बारहवां घर- आपकी हानि, खर्च, गुप्त शत्रु और मोक्ष



विवाह के लिए जन्म कुंडली

जन्म कुंडली किसी के वैवाहिक जीवन के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती है, जिसमें उनके जीवनसाथी के बारे में जानकारी भी शामिल है। **कुंडली का सप्तम भाव** विवाह का प्रतिनिधित्व करता है, और इस भाव में स्थित राशि और ग्रह किसी व्यक्ति के विवाहित जीवन के बारे में महत्वपूर्ण सूचना देते हैं। यदि यह भाव पीड़ित हो या ग्रहों के अशुभ प्रभाव में हो तो विवाह में समस्या आ सकती है। सप्तम भाव में विभिन्न ग्रहों का प्रभाव अलग-अलग होता है और प्रत्येक ग्रह की स्थिति अलग-अलग परिणाम देती है।

आइए जानते हैं कि सप्तम भाव में स्थित अलग अलग ग्रहों का क्या मतलब होता है:

- सूर्य: मजबूत व्यक्तित्व और रिश्तों में गतिशील बातचीत।
- चंद्रमा: भावनात्मक संवेदनशीलता और साझेदारियाँ जो बदल सकती हैं।
- बुध: अच्छा संचार कौशल, लेकिन रिश्ते अस्थिर हो सकते हैं।
- शक्र: साझेदारी में सद्भाव और प्यार।
- मंगल: भावुक रिश्ते, लेकिन कभी-कभी वे विवादास्पद हो सकते हैं।
- बृहस्पति: लाभकारी और सहायक साझेदारियाँ।
- शनि: रिश्ते जो चनौतियों और सबक के साथ आते हैं।
- राह: अपरंपरागत रिश्ते और अप्रत्याशित घटनाएं।
- केतु: साझेदारी में कार्मिक संबंध और अलगाव।

आप अपनी **निःशुल्क कुंडली ऑनलाइन** तैयार कर सकते हैं और अपने वैवाहिक जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनी कुंडली के सप्तम भाव में स्थित ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण कर सकते हैं।



आपकी जन्म कुंडली आपकी नौकरी और करियर के बारे में बहुत कुछ बताती है। आपकी **कुंडली का दसवां घर** आपके करियर पथ के बारे में बताता है। इससे पता चलता है कि आपके पास किस तरह की नौकरी हो सकती है। यदि यहां अशुभ ग्रह हों तो आपको करियर में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कुंडली के दसवें घर में अलग-अलग ग्रह अलग-अलग परिणाम लाते हैं:

-सूर्य: करियर में सफलता और पहचान।

-चंद्रमा: उतार-चढ़ाव भरा करियर पथ और भावनात्मक संतुष्टि।

-बुध: करियर विकल्पों में बहुमुखी प्रतिभा और अनुकूलनशीलता।

-शुक्र: रचनात्मक गतिविधियाँ और करियर में सामंजस्य।

-मंगल: करियर उपलब्धि के लिए महत्वाकांक्षा और ड्राइव।

-बृहस्पति: करियर के अवसरों में वृद्धि और विस्तार।

-शनि: चनौतियाँ और सबक जो करियर में सफलता की ओर ले जाते हैं।

-राह: अपरंपरागत करियर पथ और मान्यता की इच्छा।

-केतु: करियर विकल्पों को प्रभावित करने वाले कर्म संबंधी सबक और सांसारिक सफलता से अलगाव।

आप अपनी निःशुल्क कुंडली ऑनलाइन तैयार कर सकते हैं और अपने करियर से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने दसवें घर में ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण कर सकते हैं।



आपकी **जन्म कुंडली में आपके व्यवसाय** और करियर की संभावनाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी होती है। कुंडली में सातवां घर आपके व्यावसायिक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है, और दसवां घर आपकी व्यावसायिक उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व करता है। इन घरों में स्थित ग्रह आपके व्यावसायिक उद्यमों और करियर में उन्नति में संभावित सफलताओं और चुनौतियों का संकेत दे सकते हैं।

यदि इन घरों पर अशुभ ग्रहों का प्रभाव पड़ता है, तो यह आपकी साझेदारी और आकांक्षाओं में कठिनाइयाँ पैदा कर सकता है। इन घरों में ग्रहों के प्रभाव को समझने से आपको अपने भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी मिल सकती है। आपकी जन्म कुंडली संभावित सफलताओं और चुनौतियों सहित आपके व्यावसायिक प्रयासों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकती है। कुंडली में सातवां घर साझेदारी और व्यावसायिक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है, जो आपके व्यावसायिक उद्यमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। इस घर में स्थित राशियाँ और ग्रह आपकी व्यावसायिक साझेदारी और सहयोग के महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रकट करते हैं।

इसी तरह, कुंडली में दसवां घर आपके करियर और सार्वजनिक छवि के लिए महत्वपूर्ण है, जो आपकी व्यावसायिक उपलब्धियों और आकांक्षाओं पर प्रकाश डालता है। यदि इनमें से कोई भी घर अशुभ ग्रहों से नकारात्मक रूप से प्रभावित है, तो आपकी व्यावसायिक साझेदारी और करियर आकांक्षाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इन घरों में विभिन्न ग्रहों के प्रभाव अलग-अलग होते हैं, जो व्यावसायिक उद्यमों और करियर में उन्नति के लिए अलग-अलग परिणाम देते हैं, जैसे

- सूर्य: व्यावसायिक साझेदारी में नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करता है
- चंद्रमा: व्यापारिक रिश्तों में भावनात्मक उतार-चढ़ाव से जुड़ा है
- बुध: व्यावसायिक सहयोग में संचार कौशल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं
- शुक्र: साझेदारी में सद्भाव और रचनात्मकता लाता है
- मंगल: महत्वाकांक्षा और गठबंधनों में सफलता की प्रेरणा से जुड़ा है
- बृहस्पति: व्यावसायिक साझेदारी में वृद्धि और विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है
- शनि: व्यावसायिक गठबंधनों के साथ आने वाली चुनौतियों और सबक का संकेत देता है
- राहु: व्यावसायिक साझेदारी के लिए अपरंपरागत दृष्टिकोण का प्रतीक है
- केतु: कर्म पाठ का प्रतिनिधित्व करता है जो व्यावसायिक सहयोग को प्रभावित करता है।

Read more about: [Sexual Health Prediction](#) | [Health Prediction](#) | [Lifespan Prediction](#) | [विवाह से पहले कुंडली मिलान](#) | [दैनिक राशिफल](#)

THANK YOU FOR VISITING US



The advertisement features a central illustration of Lord Ganesha seated on a throne, holding a large, glowing Kundli (horoscope) chart. The background is a dark blue gradient with faint, glowing Kundli charts and zodiac symbols. In the top left corner, there is a circular logo with a book and a lamp. Below the main illustration, there are two QR codes: one for the iOS version and one for the Android version. The text is in Hindi, and the website URL is provided at the bottom right.

**जन्म कुंडली
को चरण दर
चरण कैसे पढ़ें**

For IOS For Android

 www.kundlihindi.com

Source - <https://kundlihindi.com/blog/janam-kundli-ko-step-by-step-kaise-padhe/>